



डिजिटल मीडिया में हिन्दी भाषा का महत्व

➤ अंजली खटिक¹

सारांश

आज हिंदी भाषा का विस्तार सिर्फ बोलचाल तक सीमित नहीं रहा, अपितु डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में भी इसने अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। डिजिटल मीडिया सूचनाएं आदान-प्रदान करने का एक ऐसा आधुनिक एवं सशक्त माध्यम है, जिसके द्वारा सामाजिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, शैक्षिक इत्यादि सभी क्षेत्रों की जानकारी कुछ ही नैनो सेकण्ड में आमजन तक पहुंचाई जा सकती है। ऐसे में हिन्दी भाषा का महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि भारत जैसे कई बहुभाषी देशों में हिन्दी भाषा बोली, पढ़ी एवं समझी जाती है। प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी द्वारा डिजिटल मीडिया में हिन्दी भाषा के महत्व पर चर्चा करेंगे, क्योंकि डिजिटल प्लेटफार्म के विस्तार के साथ हिन्दी भाषा का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोग अपनी भाषा में जानकारी प्राप्त करने व उपयोग करने में सक्षम है।

मुख्य शब्द- डिजिटल मीडिया, तकनीकी भाषा, वैश्वीकरण, संचार, संप्रेषण।

प्रस्तावना

आज के युग में डिजिटल मीडिया ने संचार की प्रक्रिया में क्रांति लाकर उसे अधिक तीव्र, व्यापक और प्रभावी बना दिया है। डिजिटल मीडिया पारंपरिक मीडिया का उन्नत और विकसित रूप है। यह आधुनिक तकनीकों पर आधारित है। जिस प्रकार हमारी पुरानी पीढ़ी समाचार पत्रों, टेलीविजन या रेडियों के माध्यम से अपने परिवेश में होने वाली विभिन्न प्रकार की घटनाओं

से अवगत होती थी, वर्तमान समय में आधुनिक तकनीकी के विकास के कारण डिजिटल मीडिया के माध्यम से हम अपने आस-पास या वैश्विक स्तर पर होने वाली घटनाओं की सूचनाएं बहुत ही कम समय में प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट, मोबाइल फोन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कम्प्यूटर, विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर इत्यादि इसके आवश्यक उपकरण हैं। यू ट्यूब, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम, ए. आई. सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न प्रकार की

¹ शोधार्थी, संगीत विभाग, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

वेबसाइट डिजिटल मीडिया के रूप में कार्य करती है। जिनके माध्यम से प्राप्त जानकारीयाँ हमारे मस्तिष्क में संकलित होती हैं, एवं हम समाज में व्याप्त अच्छाईयों एवं कुरीतियों से अवगत होते हैं।

इस बदलते परिदृश्य में जहाँ विज्ञान और तकनीकी का प्रस्फुटन एवं फैलाव हो रहा है, वहाँ हिन्दी भाषा ने तकनीकी क्षेत्र में प्रवेश कर संप्रेषण को सरल, सुलभ एवं प्रभावकारी बनाया है। "विश्व में मानव सभ्यता, संस्कृति, साहित्यिक एवं ज्ञान-विज्ञान के विकास में भारत का योगदान सर्वश्रेष्ठ माना जाता रहा है, जिसमें भाषिक दायित्वों के निर्वाह स्वरूप हिन्दी भाषा की अहम भूमिका रही है।¹ भारत वर्ष में हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जिसका प्रयोग साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं तकनीकियों जैसे विविध आयामों में सर्वाधिक किया जाता है।

"के.पी.म.जी. रिपोर्ट 2017 के अनुसार, वर्ष 2022 तक भारत में 75 करोड़ से अधिक की जनसंख्या इंटरनेट का इस्तेमाल करने लगी हैं, जिनमें से 40% से अधिक जनसंख्या हिन्दी भाषा में सूचनाएं खोजना व पढ़ना पसंद करती है।² हिन्दी भाषा की वेबसाइटों, यू ट्यूब चैनलों, समाचार चैनलों, ब्लॉग उपयोगकर्ता, इत्यादि की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इससे यह सिद्ध होता है कि हिन्दी भाषा केवल साहित्यिक भाषा नहीं है, बल्कि गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के द्वारा हिन्दी भाषा को समर्थन देने से यह प्रतीत होता है कि हिन्दी भाषा तकनीकी एवं आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है।

गूगल इंडिया की रिपोर्ट (2022) के अनुसार - भारतीय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में हिन्दी उपयोगकर्ता अंग्रेजी से अधिक हो चुके हैं। 2030 तक 75% इंटरनेट सामग्री भारतीय भाषाओं में होगी, जिनमें प्रमुख स्थान हिन्दी का होगा।³

डिजिटल मीडिया के प्रकार - वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया के कई प्रकार देखने को मिलते हैं।

- 1- ऑडियो मीडिया
- 2- वीडियो एवं स्ट्रीमिंग सेवाएं
- 3- सोशल मीडिया मंच
- 4- विज्ञापन
- 5- समाचार, साहित्य एवं अन्य सामग्री⁴

1. ऑडियो मीडिया- ऑडियो मीडिया ऐसी डिजिटल मीडिया है, जो श्रव्य प्रकार की सामग्री उपलब्ध कराते है, इसके परंपरागत मीडिया के अंतर्गत रेडियो, सी. डी. प्लेयर इत्यादि आते थे, वर्तमान युग में डिजिटल मीडिया के अंतर्गत पॉडकास्ट, ऑडियो बुक, स्पोटीफाई, कु कु एफ़. एम्, पॉकेट एफ. एम्. शामिल हैं, जिसके माध्यम से लोग अपनी सुविधा के अनुसार संगीत, ज्ञानवर्धक वार्ताएं एवं कहानियाँ सुनते हैं। ऐसे में हिन्दी भाषा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि लोग किसी भी सूचनाएं या ऑडियो बुक्स, गानों को हिन्दी भाषा में भी श्रवण कर सकते हैं। ऐसे में ग्रामीण एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में इसकी महत्ता बढ़ जाती है, क्योंकि वहां पढ़ने की अपेक्षा सुनने की प्रवृत्ति अधिक होती है एवं वहां हिन्दी ऑडियो मीडिया सूचना और मनोरंजन का प्रभावी साधन बनकर उभर रहे है।

2. वीडियो एवं स्ट्रीमिंग सेवाएं - वीडियो एवं स्ट्रीमिंग डिजिटल मीडिया के अंतर्गत यू ट्यूब, नेट फ्लिक्स, हॉट स्टार, अमेज़न प्राइम जैसे एप शामिल होते हैं। इनके द्वारा सूचनाएं वीडियो एवं ऑडियो रूप में प्राप्त होती है, जिससे दर्शकों का भावनात्मक जुड़ाव बना रहता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर विकास के कारण सूचनाओं को चलचित्र के रूप में भी परिवर्तित किया जा सकता है।

इसमें टेलीविजन सेवाओं से लेकर विभिन्न शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थाओं जैसी अन्य संस्थाओं के क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले आभाषी सिमुलेटर,

वास्तविकता सर्जिकल सिमुलेटर जैसी सामग्री हिन्दी भाषा में प्राप्त होती है। भारत में विडियो डिजिटल प्लेटफॉर्म में 2005 में लॉन्च की गई यू ट्यूब वेबसाइट सबसे ज्यादा लोकप्रिय मानी जाती हैं।⁵ क्योंकि इसमें हिन्दी भाषा में निर्मित वीडियो सामग्री विशाल दर्शक वर्ग तक सहजता से पहुंचती हैं एवं इसमें सामग्री डालना (Upload) भी अत्यंत सुविधाजनक होता है, एवं इसके द्वारा निर्माता का मनोबल बढ़ाने हेतु वित्तीय सहायता भी दी जाती है।

3. सोशल मीडिया मंच- सोशल मीडिया मंच फेसबुक, लिंकडिन, ट्विटर, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट इत्यादि साइटें शामिल हैं, जो अपने उपयोगकर्ताओं को टेक्स्ट पोस्ट, फोटोग्राफ और वीडियो के माध्यम से एक-दूसरे के साथ संवाद करने और साझा करने का अवसर प्रदान करती हैं। इन मंचों पर पॉप संस्कृति, खेल, समाचार, राजनीति तथा दैनिक जीवन से जुड़े विषयों पर “लाइक” और टिप्पणियों के माध्यम से व्यापक संवाद स्थापित होता है। इस संदर्भ में हिंदी भाषा का महत्व अत्यंत बढ़ जाता है, क्योंकि यह न केवल भारत के आमजन को डिजिटल रूप से जोड़ती है, बल्कि उन्हें अपनी मातृभाषा में विचार व्यक्त करने की सहजता और आत्मीयता भी प्रदान करती है। परिणामस्वरूप, हिंदी सोशल मीडिया के माध्यम से जनसंचार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम बन गई है।

4. विज्ञापन- डिजिटल मीडिया में वैयक्तिकृत अथवा व्यक्ति आधारित विज्ञापन देखने को मिलते हैं। परंतु परम्परागत विज्ञापन मुख्यतः एकतरफा संप्रेषण पर आधारित होत थे, जिसके तहत विज्ञापन समाचार पत्रों, टेलीविजन या रेडियो इत्यादि में दिए जाते थे, जो किसी भी भाषा में हो सकते थे, जिससे विज्ञापनों के प्रति लोगों में अरुचि देखने को मिलती थी, परंतु तकनीकी विकास

के कारण विज्ञापन व्यक्ति को उनकी रुचि से संबंधित तथा उनकी भाषा में देखने को मिलते हैं, जो सोशल मीडिया, दृश्य मंचों एवं अन्य डिजिटल माध्यमों द्वारा प्रसारित होते हैं, उदाहरण के लिए यदि आप एक शोध छात्र हैं तो आपके सोशल मीडिया में शोध से संबंधित विज्ञापन आएंगे, जिससे विज्ञापन अरुचिकर नहीं लगेगा। इस संदर्भ में हिन्दी भाषा का महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि ये हिन्दी भाषा में होने के कारण उनसे हमारा भावनात्मक जुड़ाव स्थापित होता है, और उनका प्रभाव और गहरा हो जाता है।

5. समाचार, साहित्य एवं अन्य सामग्री- इसके अंतर्गत परम्परागत रूप से लोग समाचार पत्रों, किताबों, मैगजीन इत्यादि के पठन-पाठन से अपनी बौद्धिक क्षमता का विकास करते थे। डिजिटल मीडिया के विकास के फलस्वरूप भी लोग अपनी आदतों के कारण इन्हीं सभी सामग्री को पढ़ना आज भी पसंद करते हैं, परंतु ई-बुक के माध्यम से। "प्यू रिसर्च सेंटर के शोध से यह जानकारी प्राप्त होती है कि अमेरिका के 38% वयस्क ऑनलाइन समाचार पढ़ते हैं।"⁶ जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भारतीय भी हिन्दी भाषा में ऑनलाइन समाचारों और साहित्यों को पढ़ना पसंद करते हैं। विकिपीडिया, अमेज़न किंडल (Amazon, kindle) जैसे ई-बुक्स रीडर वेबसाइटों ने डिजिटल माध्यमों में लिखित सामग्री के महत्व को और अधिक सुदृढ़ किया है। भारत सरकार ने इस ओर कदम बढ़ाकर मूक्स (MOOCS), स्वयं (SWAYAM), ई-पाठशाला जैसे पोर्टल लॉन्च किए हैं, ये पोर्टल हिन्दी में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दे रहे हैं। शोध छात्रों के लिए पीडीएफ डाइव, इन्टरनेट आर्काइव, ई-ज्ञान कोश, भारत वाणी प्रोजेक्ट जैसे वेब साइट कई पुस्तकों एवं जर्नल्स का पीडीएफ निःशुल्क में प्रदान करती हैं। अमर उजाला, नवभारत टाइम्स जैसे समाचार पत्रों की विषयवस्तु विभिन्न एप्स व वेबसाइटों पर

उपलब्ध है, जो डिजिटल मीडिया में हिन्दी भाषा के महत्व को और अधिक बढ़ाते हैं।

इन सभी डिजिटल प्रकारों में हिन्दी भाषा का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। जिससे लोगों में संवाद करने की क्षमता में निरंतर वृद्धि हो रही है। परंतु इसके वावजूद कुछ समस्याएं परिलक्षित होती हैं, जैसे- तकनीकी शब्दावली की कमी, शुद्ध एवं मानकीकृत हिंदी का अभाव, अनुवाद की जटिलताएं तथा अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के कारण हिन्दी की उपेक्षा की जाती है। अंग्रेजी के प्रभुत्वता के कारण हिन्दी भाषा को प्राथमिकता नहीं दी जाती है। परंतु इन चुनौतियों के वावजूद वैश्विक प्रवाह हिन्दी के पक्ष में है और सांस्कृतिक, आर्थिक एवं शैक्षिक उपयोगिता निरंतर बढ़ रही है।⁷

निष्कर्ष-

आज हिन्दी केवल संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों पर व्यापक जनसमूह तक पहुँचने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। डिजिटल मीडिया ने हिन्दी को न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर इसे संवाद का एक सशक्त और तीव्र माध्यम बना दिया है। यद्यपि भाषाई और कुछ तकनीकी चुनौतियाँ आज भी देखने को मिलती हैं, अतः आवश्यकता है कि हिन्दी भाषा को तकनीकी रूप से समृद्ध करके उसके प्रयोग को बढ़ाया जाए, ताकि यह वैश्विक स्तर अपनी अनूठी पहचान बता सके।

संदर्भ सूची -

1. झाल्टे, द. (2022). प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग (5वां संस्करण). वाणी प्रकाशन. पृष्ठ संख्या 16
1. रानी, प. (2025). डिजिटल युग में हिंदी भाषा की भूमिका. International Journal of Advanced Research (IJAR), 11(5), 188–191. <https://www.allresearchjournal.com/archives/2025/vol11issue5/PartC/11-5-30-287.pdf>
2. चौगले, हं. मा. (2025). विश्व मंच पर हिंदी भाषा का महत्व: भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक प्रसार का विश्लेषण. International Journal of Advanced Academic Studies (IJAAAS), 7(10), 227–231. <https://doi.org/10.33545/27068919.2025.v7.i10c.1757>
3. शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय (SMKV). (2023, 18 मई). C02 notes. [https://smkvbistar.ac.in/Admin/Files/StudyMaterial/05182023022821_C02%20notes%20\(1\).pdf](https://smkvbistar.ac.in/Admin/Files/StudyMaterial/05182023022821_C02%20notes%20(1).pdf)
4. शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय (SMKV). (2023, 18 मई). C02 notes. [https://smkvbistar.ac.in/Admin/Files/StudyMaterial/05182023022821_C02%20notes%20\(1\).pdf](https://smkvbistar.ac.in/Admin/Files/StudyMaterial/05182023022821_C02%20notes%20(1).pdf)
5. शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय (SMKV). (2023, 18 मई). C02 notes. [https://smkvbistar.ac.in/Admin/Files/StudyMaterial/05182023022821_C02%20notes%20\(1\).pdf](https://smkvbistar.ac.in/Admin/Files/StudyMaterial/05182023022821_C02%20notes%20(1).pdf)
6. चौगले, हं. मा. (2025). विश्व मंच पर हिंदी भाषा का महत्व: भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक प्रसार का विश्लेषण. International Journal of Advanced Academic Studies (IJAAAS), 7(10), 227–231. <https://doi.org/10.33545/27068919.2025.v7.i10c.1757>